IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 1, January 2024

ममता कालिया का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

डॉ. निर्मला शुक्ला
अतिथि विद्वान हिन्दी विभाग
शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा (म.प्र.)

शोध सारांश –

जन्म के उपरांत हमारा लालन–पोषण जिस वातावरण में उससे हम विशेष रूप से प्रभावित रहते है ं और हमारे व्यक्तित्व का विका होता रहता है। व्यक्तित्व के अंतर्गत आंतरिक एवं बाह्य दोनों गुण समाहित रहते हैं। मनुष्य की उन्नति और विकास के लिए परिवार को एक अनिवार्य आवश्यकता माना जाता है। मोटी दृष्टि से देखें तो मनुष्य का जन्म ही परिवार के माध्यम से होता है। मनुष्य जिन गुणों, विशेषताओं के कारण सृष्टि का सर्वश्रेष्ठ प्राणी, भगवान का राजकुमार कहा जाता है, उनका विकास करने के लिए तो परिवार की आवश्यकता अनिवार्य रूप से पड़ती है। परिवार समाज की एक छोटी इकाई है। जिसके आधार पर मनुष्य स्वयं में सामाजिक गुणं का विकास कर दुर्लभ लाभ प्राप्त करता है।

मुख्य शब्द – ममता कालिया, व्यक्तित्व, कृतित्व, वातावरण, परिवार आदि।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

[1]. शर्मा, भगवती देवी, सुसंस्कृत परिवार की पृष्ठभूमि, युग निर्माण योजना, गायत्री तपोभूमि, मथुरा, 2008, पृ–5.
[2]. कालिया, ममता, 'स्त्री कलम के ज्यादा निकट होती है' : मेरे साक्षात्कार, संयोजन विद्या भूषण, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण 2012, पृ–30–33.
[3]. कालिया, ममता, 'मै लेखन कर्म में अराजक हू' : मेरे साक्षात्कार, संयोजन विद्या भूषण, किताबघर
[4]. प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण 2012, पृ–30–64.
[5]. कालिया, ममता, 'पारो और देवदास जैसा प्रेम तपेदिक की ओर ले जाता है' : मेरे साक्षात्कार, संयोजन विद्या भूषण, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण 2012, पृ–13.
[6]. कालिया, ममता, 'साहित्य को वरिष्ठ या गरिष्ठ न होकर घनिष्ठ होना पड़ेगा', : मेरे साक्षात्कार,
[7]. संयोजन विद्या भूषण, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण 2012, पृ–58.
[8]. कालिया, ममता 'स्त्री कलम के ज्यादा निकट होती है, :मेरे साक्षात्कार, संयोजन विद्या भूषण, किताब घर प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण 2012, पृ–33
[9]. कालिया, ममता, कितने शहरों मे ं कितनी बार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2010, पृ–19.
[10]. कालिया, ममता 'स्त्री कलम के ज्यादा निकट होती है,: मेरे साक्षात्कार, संयोजन विद्या भूषण, किताब घर प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण 2012, पृ–33.–34
[11]. कालिया, रवीद्र, सृजन के सहधर्मी, किताब घर प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण, 1990, पृ–57.
[12]. कालिया, रवीद्र, सृजन के सहधर्मी, किताब घर प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण, 1990, पृ–56.
[13]. कालिया, रवीद्र, सृजन के सहधर्मी, किताब घर प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण, 1990, पृ–53.
[14]. कालिया, रवीद्र, सृजन के सहधर्मी, किताब घर प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण, 1990, पृ–55.

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 1, January 2024

[15]. कालिया, ममता, कितने शहरों मे ं कितनी बार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2010, पृ–30कृ

[16]. कालिया, ममता, कितने शहरों मे ं कितनी बार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2010, पृ–20..